



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 318]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 14, 2005/अग्रहायण 23, 1927

No. 318]

NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 14, 2005/AGRAHAYANA 23, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 2005

जांच प्रारंभ अधिसूचना

विषय : चीन जन. गण. से आंशिक चमकीले यार्न (पीओवाई) के आयात संबंधी पाटनरोधी जांच का प्रारंभ।

सं० 14/10/2005-डीजीएडी— जबकि एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर्स इण्डस्ट्रीज, नई दिल्ली (जिन्हें इसके बाद आवेदक कहा गया है) ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे इसके बाद अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे इसके बाद नियमावली कहा गया है) के अनुसार एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें उन्होंने चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित आंशिक चमकीले यार्न (जिसे इसके बाद संबद्ध माल कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाया है और अनुरोध किया कि इस संबद्ध माल पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने हेतु पाटनरोधी जांच प्रारंभ कर दी जाए ।

और जबकि प्राधिकारी को लगता है कि संबद्ध देश से संबद्ध माल के पाटन का पर्याप्त प्रत्यक्ष साक्ष्य है, घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है और पाटन तथा क्षति के बीच कारणात्मक संबंध मौजूद हैं । अतः प्राधिकारी उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार तथाकथित पाटन और घरेलू उद्योग को होने वाली परिणामी क्षति के संबंध में एतद्वारा जांच प्रारंभ करता है ताकि तथाकथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और इस बात की सिफारिश

की जा सके कि क्या पाटनरोधी शुल्क की राशि, यदि वसूल की जाए तो क्या वह घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त रहेगी।

1. विचाराधीन उत्पाद:

मौजूदा याचिका में विचाराधीन उत्पाद आंशिक चमकीला यार्न है जिसे आमतौर पर पीओवाई के नाम से जाना जाता है। यह भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ वर्गीकरण के सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 5402.42 के तहत आता है। यह पॉलिस्टर यार्न है और एक मध्यवर्ती सामान है जो और आगे प्रसंस्करण के अध्वधीन होता है, उदाहरणार्थ फैब्रिक बनाने के लिए बुनाई अथवा मीटिंग के लिए उपयुक्त बनाने के वास्ते टैक्सच्यूरिंग अथवा ड्राट्वस्टिंग।

2. घरेलू उद्योग:

घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व एसोसिएशन ऑफ सिंथेटिक फाइबर्स इण्डस्ट्रीज, नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है जोकि संबद्ध माल के घरेलू विनिर्माता संघ का प्रतिनिधि है। इस जांच को प्रारंभ करने के संबंध में निर्धारित प्रपत्र में विस्तृत जानकारी देने वाले 12 विनिर्माताओं के अलावा मैसर्स रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा मैसर्स सांघी पोलिएस्टर सहित 5 विनिर्माता इस जांच के प्रारंभ किए जाने संबंधी आवेदन-पत्र का समर्थन कर रहे हैं। प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि (क) संबद्ध माल के आवेदक विनिर्माताओं का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा है; (ख) उक्त आवेदन-पत्र का बखूबी समर्थन कर रहे घरेलू उत्पादकों का हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान उत्पाद के कुल उत्पादन के 50% से भी अधिक है; और (ग) यह आवेदन-पत्र घरेलू उद्योग द्वारा और उसकी ओर से प्रस्तुत किया गया है।

एक उत्पादक अर्थात् मैसर्स वैलस्पन सिंटेक्स लिमिटेड द्वारा जांच अवधि के दौरान ताइवान तथा चीन से 48.5 मी.टन की छोटी मात्रा का आयात किया गया बताया गया है। आवेदकों ने निवेदन किया है कि इस छोटी मात्रा को जो भारत में कुल खपत का .0057% है, ध्यान में नहीं लिया जाए। घरेलू उद्योग की अवधारणा को स्वीकार कर लिया गया है क्योंकि चीन से इस कंपनी के आयात नगण्य हैं। मैसर्स वैलस्पन सिंटेक्स लिमिटेड को घरेलू उद्योग का हिस्सा माना गया है।

प्राधिकारी उपरोक्त की जांच करने के पश्चात यह तय करता है कि आवेदक नियम 2 के आशय के भीतर घरेलू उद्योग है और उनका आवेदन पत्र उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार स्थिति संबंधी मानदंडों को पूरा करता है।

3. शामिल देश:

मौजूदा जांच में शामिल देश चीन जन.गण. है।

4. समान वस्तु:

आवेदक ने दावा किया है कि उसकी सदस्य कंपनियों द्वारा उत्पादित माल संबद्ध देशों से संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित माल के समान वस्तु है। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध माल और संबद्ध देश से निर्यातित माल में कोई ज्यादा अंतर नहीं है। आवेदकों का दावा है कि ये दोनों माल तकनीकी अथवा वाणिज्यिक दृष्टि से एक दूसरे की प्रतिस्थापनीय हैं। आवेदकों ने आयातों के संबंध में वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस), कोलकाता द्वारा यथासंकलित जानकारी प्रस्तुत की है। आवेदकों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एवं सप्लाई किए गए माल और संबद्ध माल दोनों का एक दूसरे की जगह प्रयोग किया जा रहा है। मौजूदा जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित माल को उपरोक्त नियमावली के आशय के भीतर संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद की समान वस्तु के रूप में माना जा रहा है।

5. सामान्य मूल्य

आवेदक का दावा है कि चीन जन.गण. को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाए और उन्होंने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है। सामान्य मूल्य का आधार सामान्य मूल्य के यथोचित आंकलन के रूप में चीनी ताइपेई के लिए परिकलित सामान्य मूल्य है। इस सामान्य मूल्य का निर्धारण चीनी ताइपेई की उत्पादन लागत को ध्यान में रखते हुए किया गया है जिसमें बिक्री, सामान्य तथा प्रशासनिक खर्च तथा यथोचित लाभ को शामिल करते हुए विधिवत् समायोजन किया गया है। इसके अलावा, निविष्टियों की कीमतों का निर्धारण अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मौजूद स्तर पर किया गया है।

किंतु, अलग-अलग निर्यातक इस अनुमान का खंडन कर सकता है और प्राधिकारी संगत नियमावली के अनुसार अलग-अलग निर्यातक के बाजार अर्थव्यवस्था दावों की जांच करेगा ।

6. निर्यात कीमत

संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध माल की कीमत का निर्धारण डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों पर विचार किए जाने के बाद किया गया है । समायोजन का दावा समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, पत्तन सुपुर्दगी तथा पत्तन प्रभार के संबंध में किया गया है जिससे कारखानागत निर्यात कीमत का निर्णय किया जा सके । संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध माल की निर्यात कीमत का पर्याप्त साक्ष्य मिला है ।

7. पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना कारखाना स्तर पर की गई जिसमें प्रत्येक संबद्ध देश के संबंध में पर्याप्त पाटन मार्जिन परिलक्षित होता है । यह पर्याप्त साक्ष्य मिला है कि चीन जन.गण. में संबद्ध माल का सामान्य मूल्य कारखानागत निर्यात कीमत की तुलना में काफी अधिक है जिससे प्रत्यक्ष रूप से यह इंगित होता है कि संबद्ध माल का पाटन संबद्ध देश के निर्यातकों द्वारा किया जा रहा है ।

8. क्षति एवं कारणात्मक संबंध

आवेदक ने वास्तविक क्षति से संबंधित विभिन्न कारकों के बारे में जानकारी प्रस्तुत की है । समग्र रूप में आयातों में वृद्धि और भारत में उत्पादन तथा मांग से संबंधित, पर्याप्त कीमत कटौती जिससे बाजार में कीमत दबाव आया है, बिक्री मात्रा में वृद्धि के बावजूद बिक्री मूल्यों में गिरावट, लाभ, नकद प्रवाह तथा पूंजी निवेश पर आय में गिरावट, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट और आयातों के बाजार हिस्से में परिणामी वृद्धि, रोजगार में गिरावट जैसे कारक प्रत्यक्षतः सामूहिक रूप से इंगित करते हैं कि घरेलू उद्योग को चीन जन.गण. से संबद्ध माल के पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है ।

9. पाटनरोधी जांच का प्रारंभ

निर्दिष्ट प्राधिकारी उपरोक्त पैराग्राफों को ध्यान में रखते हुए संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध माल की मौजूदगी, मात्रा तथा तथाकथित पाटन के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी जांच प्रारंभ करता है।

10 जांच अवधि (पीओवाई)

मौजूदा जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि दिनांक 1 अप्रैल, 2004 से 30 जून, 2005 (15 महीने) है। किंतु क्षति जांच अवधि में वर्ष 2001-02 से 2003-04 तथा जांच अवधि कवर होगी।

11. जानकारी प्रस्तुत करना:

संबद्ध देश के निर्यातकों, दूतावास की मार्फत उनकी सरकार, भारत के आयातकों जिनका इस जांच से संबंध है और घरेलू उद्योग को अलग-अलग कहा जा रहा है कि वे निर्धारित प्रपत्र तथा तरीके में संगत जानकारी प्रस्तुत करें और निर्दिष्ट प्राधिकारी को अपने-अपने विचार निम्नलिखित पते पर भेज दें-

निर्दिष्ट प्राधिकारी,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
वाणिज्य विभाग,
भारत सरकार,
कमरा सं0 240,
उद्योग भवन,
नई दिल्ली-110011.

उपरोक्त नियमावली के नियम 6(5) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी जांच के तहत शामिल वस्तु के औद्योगिक प्रयोक्ताओं और उन प्रतिनिधि उपभोक्ता संगठनों को भी अवसर प्रदान कर रहा है जो पाटन, क्षति तथा कारणात्मकता संबंधी इस जांच के संगत हों। कोई अन्य इच्छुक पक्षकार भी इस जांच के संगत नीचे निर्धारित समयावधि के भीतर अपने-अपने निवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे।

3586 GF/05—2

12. समय सीमा

क) सामान्य समय सीमा:

मौजूदा जांच के संबंध में कोई भी जानकारी लिखित में भेजी जानी चाहिए जो प्राधिकारी के पास ऊपर लिखे पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुंच जाए। किंतु, ज्ञात निर्यातकों तथा आयातकों जिन्हें अलग-अलग लिखा जा रहा है, से अपेक्षा है कि वे अपनी अपनी जानकारी उन्हें अलग-अलग लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर भेज दें। यह भी नोट किया जाए कि इस निर्धारित समय-सीमा को बढ़ाए जाने संबंधी किसी भी अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकेगा।

ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में निश्चित समय सीमा:

इस जांच में इच्छुक पक्षकार इस जांच-प्रारंभ अधिसूचना के उपरोक्त पैरा 5 में यथाउल्लिखित चीनी ताइपेई को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में उपयुक्तता के संबंध में अपनी-अपनी टिप्पणी दे सकेंगे जिससे चीन जन.गणपा. के संबंध में सामान्य मूल्य साबित किया जा सकेगा। यह टिप्पणियां इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 2 सप्ताहों के भीतर अवश्य प्रस्तुत की जाएं।

13. जानकारी प्रस्तुत करना:

उक्त नियमावली के नियम 6(7) के अनुसार इच्छुक पक्षकारों से अपेक्षा है कि वे प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी भी गोपनीय जानकारी का अगोपनीय सारांश प्रस्तुत कर दें और यदि पक्षकार की राय में ऐसी जानकारी का सारांश देना अति संवेदनशील हो तो तत्संबंधी कारण का एक विवरण-पत्र देना अपेक्षित होगा। यदि जहां कोई इच्छुक पक्षकार इसके लिए मनाही करता है अथवा अन्यथा यथोचित समयावधि के भीतर आवश्यक जानकारी प्रदान नहीं करता है अथवा जांच में बाधा पहुंचाता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच परिणाम रिकॉर्ड कर देगा और केन्द्रीय सरकार को ऐसी सिफारिशें प्रस्तुत कर देगा जैसाकि वह उचित समझे।

14. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

नियम 6(7) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी एक सार्वजनिक फाइल बनाए रखता है। कोई भी इच्छुक पक्षकार, इच्छुक पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकेगा।

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

New Delhi, the 13th December, 2005

INITIATION NOTIFICATION

Subject : Initiation of anti-dumping investigations concerning imports of Partially Oriented Yarn (POY) from China PR.

F.NO.14/10/2005-DGAD:—WHEREAS Association of Synthetic Fibres Industries, New Delhi (herein after referred to as applicant) have *filed* an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (herein after referred to as the Act) and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (herein after referred to as the Rules), alleging dumping of Partially Oriented Yarn (herein after referred to as subject goods), originating in or exported from the People's Republic of China (herein after referred to as "subject country" or China PR) and requested for initiation of Anti Dumping investigations for levy of anti dumping duties on the subject goods.

AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of the subject goods from the subject country, injury to the domestic industry and causal link between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration in the present petition is Partially Oriented Yarn generally known as POY. It falls under the custom tariff heading 5402.42 under the Indian Custom Tariff Classification. It is yarn of polyester and is an intermediate, which is subject to further processing, for example, texturing or draw twisting, to make it suitable for weaving or knitting into fabrics.

2. DOMESTIC INDUSTRY

The domestic industry is being represented by the Association of Synthetic Fibre Industries, New Delhi which is a representative association of the domestic manufacturers of the subject goods. Apart from the 12 manufacturers who have submitted detailed information in the prescribed proforma for initiation of investigation, five manufacturers including M/s Reliance Industries and M/s Sanghi Polyester are supporting the application for initiation of investigation. The Authority has determined that (a) production of the applicant manufacturers of the subject goods constitutes a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application account for more than 50 per cent of total production of the like product produced by the domestic industry; and (c) the application has been made on behalf of the domestic industry.

One of the producers i.e. M/s Welspun Syntex Ltd. has been stated to have imported a small quantity of 48.5 MT from Chinese Taipei and China during POI. The applicants have submitted that such a small quantity which constitutes about .0057% of total consumption in India may be ignored. The contention of the domestic industry has been accepted as the imports of the company from China PR are negligible and M/s. Welspun Syntex Ltd. has been considered to be a part of domestic industry.

The Authority after examining the above, determines that the applicants constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2 and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 of the Rules supra.

3. COUNTRY INVOLVED

The country involved in the present investigation is the People's Republic of China.

4. LIKE ARTICLE

The applicant has claimed that goods produced by its member companies are like articles to the goods originating in or exported from subject countries. There is no significant difference in the subject goods produced by the domestic industry and those exported from subject country. Applicants claim that the two are technically and commercially substitutable. Applicants have provided information on imports as compiled by Directorate General of Commercial Intelligence & Statistics (DGCI&S), Kolkatta. Applicants have claimed that the subject goods and goods produced and supplied by the domestic industry is being interchangeably used. For the purpose of present investigation, the goods produced by the domestic industry is being treated as Like Article to the product imported from the subject countries within the meaning of the Rules supra.

5. NORMAL VALUE

The applicant has claimed that China PR should be treated as non-market economy and normal value should be determined in accordance with Para 7

of Annexure I of the Anti Dumping Rules. The domestic industry has proposed Chinese Taipei as an appropriate third country market economy in terms of para 7. Accordingly normal value has been worked out on the basis of constructed normal value in Chinese Taipei as appropriate estimate of domestic prices in China PR. This normal value has been determined considering the cost of production in Chinese Taipei duly adjusted to include selling, general and administrative expenses and reasonable profit. Further, the prices of inputs have been considered at a level prevailing in the international market.

However, the individual exporters may rebut this presumption and the Authority shall examine the market economy claims of individual exporters in terms of the relevant Rules.

6. EXPORT PRICE

Export price of the subject goods from the subject country has been determined by considering DGCI&S data. Adjustments have been claimed on account of ocean freight, marine insurance, commission, port handling and port charges to arrive at ex-factory export price. There is sufficient evidence of the export price for the subject goods from the subject country.

7. DUMPING MARGIN

Normal value and export price have been compared at ex-factory level, which shows significant dumping margin in respect of each of the subject countries. There is sufficient, prima facie, evidence that the normal value of the subject goods in China PR is significantly higher than the ex-factory export price indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped by exporters from the subject country.

8. INJURY AND CAUSAL LINK

The applicant has furnished information on various parameters relating to material injury. Parameters such as significant increase in imports in absolute terms as also relative to production and demand in India, significant price undercutting leading to price depression in the market, decline in sales values in spite of increase in sales volumes, erosion in profits, cash flow and return on investments, decline in market share of the domestic industry and consequent increase in market share of the imports, decline in employment, prima facie, collectively indicate that the domestic industry has suffered material injury on account of dumping of subject goods from China PR.

9. INITIATION OF ANTI DUMPING INVESTIGATIONS

The Designated Authority, in view of the foregoing paragraphs, initiates anti-dumping investigations into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.

3586 GI/05-3

10. PERIOD OF INVESTIGATION (POI)

The Period of Investigation for the purpose of the present investigation is 1st April 2004 to 30th June 2005 (15 months). The injury investigation period will, however, cover the period 2001-02 to 2003-04 and the POI.

11. SUBMISSION OF INFORMATION

The exporters in the subject country, their Government through the Embassy, the importers in India known to be concerned with this investigation and the domestic industry are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority at the following address :

Designated Authority,
Ministry of Commerce & Industry,
Department of Commerce,
Government of India,
Room No. 240,
Udyog Bhavan, New Delhi – 1100 11.

As per Rule 6(5) of Rule supra, the Designated Authority is also providing opportunity to the industrial users of the article under investigation and to representative consumer organizations who can furnish information which is relevant to the investigation regarding dumping, injury and causality. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation within the time limit set out below.

12. TIME LIMIT

a) General Time Limits

Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however required to submit the information within forty days from the date of the letter addressed to them separately. It may be noted that no request, whatsoever, shall be entertained for extension in the prescribed time limit.

b) Specific time limit for selection of market economy third country

Interested parties to the investigation may wish to comment on the appropriateness of Chinese Taipei which, as mentioned in the Para 5 above of this initiation notification is envisaged as a market economy third country for the purpose of establishing normal value in respect of the China PR. These comments must be submitted within two weeks from the date of publication of this notification.

13. SUBMISSION OF INFORMATION

In terms of Rule 6(7) of the Rules, the interested parties are required to submit non-confidential summary of any confidential information provided to the Authority and if in the opinion of the party providing such information, such information is not susceptible to summarization, a statement of reason thereof, is required to be provided. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record findings on the basis of facts available and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

14. INSPECTION OF PUBLIC FILE

In terms of Rule 6(7), Designated Authority maintains a public file. Any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by interested parties.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority